मंगलवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

10 फरवरी 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 18
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लिव इन में रही छात्रा की हुई संदिग्ध मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। लिव-इन में देहरादून में रही एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा की कुछ दिन पहले प्री-मेच्योर डिलीवरी हुई थी। मृतक लड़की और उसके लिव इन पार्टनर ने

●यूसीसी पोर्टल में नहीं कराया था रजिस्ट्रेशन, परिजनों को भी नहीं थी इसकी जानकारी

यूसीसी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन भी नहीं कराया था और न ही उनके परिजनों को दोनों के साथ रहने के बारे में कोई जानकारी थी।

जानकारी के अनुसार खटीमा की रहने वाली छात्रा देहरादून के सुभाष नगर स्थित एक विश्वविद्यालय से बीसीए तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। वह खटीमा निवासी युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। छात्र भी इसी यूनिवर्सिटी से बीएससी न्यूट्रीशन साइंस की पढ़ाई कर चुका है। पुलिस के अनुसार युवती गर्भवती थी। कुछ दिन पहले उसने आठ महीने के गर्भ पर बच्चे को जन्म दिया था। उसकी सिजेरियन प्री-मेच्योर डिलीवरी हुई थी। नवजात शिशु को को एनआईसीयू में रखा गया है। बताया जा रहा है कि रविवार को उसकी ज्यादा बिगड़ गई। प्रेमी उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर बीते रोज पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरा।

वहीं बेटी की मौत की खबर मिलते ही खटीमा से उसके परिजन भी देहरादून पहुंच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। लिव इन में रह रहे युवक और छात्रा ने यूसीसी पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच पता लगा कि दोनों ने अपने परिजनों को भी एक दूसरे के साथ रहने की जानकारी नहीं दी हुई थी। छात्रा जब डिलीवरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुई तब उसके परिजनों को पता लगा।

भरण-पोषण आदेश की अवहेलना पर कटी 1.50 लाख की आरसी

❑बुजुर्ग पिता को मारपीट कर पुत्रों ने दिया था निकाल

संवाददाता

देहरादून। जनदर्शन में 68 वर्षीय बुजुर्ग बीमार पिता को पुत्र द्वारा संपत्ति से बेदखल करने व भरपोषण अधिनियम के तहत् धनराशि न दिए जाने का मामले में जिला प्रशासन के भरण-पोषण आदेश की अवहेलना पर 1.50 लाख की आरसी काट दी।

मिली जानकारी के अनुसार विगत जनता दर्शन कार्यक्रम में 68 वर्षीय बीमार बुजुर्ग पिता अशोक धवन ने जिलाधिकारी सविन बसंल से गुहार लगाई कि उनके पुत्रों द्वारा मारपीट,गाली गलौच उत्पीड़न किया जा रहा है। उनके पुत्रों द्वारा घर से धक्के मारकर बाहर निकाला जा रहा है एसडीएम कोर्ट से वर्ष 2023 एवं जुलाई 2025 में पारित भरण-पोषण धनराशि न दिए जाने की शिकायत करते हुए घर से न निकाले जाने तथा भरणपोषण दिलाये जाने की मांग की। गंभीर बीमारियों से पीड़ित उक्त वरिष्ठ नागरिक ने आरोप लगाया है कि उन्हें संपत्ति से बेदखल कर दिया गया है तथा एसडीएम न्यायालय द्वारा पारित भरण-पोषण आदेश के बावजूद वर्ष 2023 से उन्हें निर्धारित धनराशि नहीं दी जा रही है।

पीड़ित बुजुर्ग द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया कि आदेश 23 सितम्बर 2023 को एसडीएम, देहरादून द्वारा उनके पुत्र नितिन धवन को प्रतिमाह 4 हजार रूपये भरण-पोषण राशि अदा करने का निर्देश दिया गया था, किंतु आज तक कोई धनराशि प्रदान नहीं की गई। बाद में 05 जुलाई 2025 को उपजिलाधिकारी द्वारा उक्त राशि बढ़ाकर 10 हजार रूपये प्रतिमाह करने का आदेश भी पारित किया गया, साथ ही यह निर्देश भी दिए गए कि पीडित की संपत्ति पर कोई अवैध कब्जा न किया जाए तथा उनके साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न हो। इसके बावजूद शिकायतकर्ता के अनुसार, उनका पुत्र नितिन धवन (जो लगभग रू 600,000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त करता है) भरण-पोषण राशि देने से इंकार करता रहा है। आरोप है कि जब बुजुर्ग पिता ने धनराशि की मांग की, तो उनके साथ गाली-गलौच एवं मारपीट की गई। जिलाधिकारी बुजुर्ग पिता के आवेदन प्रार्थना पर संज्ञान लेते हुए पुत्र के विरुद्ध बकाया भरण-पोषण धनराशि की वसूली हेतु आरसी 1.50 लाख (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि वरिष्ठ नागरिक को न्याय दिलाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की अनदेखी एवं न्यायालयीय आदेशों की अवमानना क्षम्य नही होगी ऐसा करने पर संबंधित पक्षों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा पीड़ित बुजुर्ग की जान-माल की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजधानी में बढ़ते अपराध

राजधानी देहरादून में इन दिनों जिस तेजी से अपराधों की बाढ़ आयी हुई है। उससे यहां आमजन में असुरक्षा की भावना जाग रही है। बीते कुछ दिनों में यहां एक के बाद एक महिलाओं की हत्यायों से लोगों में दहशत है तो वहीं एक बार फिर बीते रोज शहर के एक पाश इलाके डालनवाला क्षेत्र में एक स्कूल के बाहर से एक छात्रा का अपहरण का प्रयास यह बताने के लिए काफी है कि राजधानी देहरादून में अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हो चुके है। हालांकि पुलिस इस मामले में गहन जांच का दावा करने की बात कह रही है साथ ही आशंका जताई जा रही है कि इस मामले में महानगरों के किसी संगठित गिरोह का हाथ हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी अंर्तराज्यीय किडनेंपिग गिरोह की राजधानी देहरादून में दस्तक हो सकती है। क्योंकि राजधानी देहरादून में इस तरह दिन दहाड़े पूर्व समय में किसी छात्र या छात्रा के अपहरण का प्रयास बदमाशों द्वारा कभी नहीं किया गया है। यह घटना शिक्षा के हब कहे जाने वाले देहरादून में बच्चो की सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंता पैदा कर रही है। यूं तो दिल्ली एनसीआर में हालिया कुछ वर्षो में स्कूलों के बाहर से अपहरण के मामले बढ़े है लेकिन अब उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून में इस तरह के मामलों की दस्तक डराने वाली है। हालांकि दून पुलिस इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए गहन पड़ताल में जुट चुकी है लेकिन पुलिस कब तक इस घटना का खुलासा कर पाती है यह आने वाला समय ही बतायेगा। लेकिन इस तरह के अपराध देहरादून में होना एक नये सकेंत दे रहा है।

पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप ने कपकोट को दिलाई पर्यटन मानचित्र पर खास जगह

संवाददाता

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के विजन के अनुरूप, सुदूर पर्वतीय क्षेत्र कपकोट अब एडवेंचर टूरिज्म के राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है। फरवरी 5 से प्रारंभ बागेश्वर जनपद में आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय एक्युरेसी पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता ने इस शांत ग्रामीण अंचल को देशभर के रोमांच प्रेमियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

जालेख की पहाड़ियों से उड़ान भरते रंग-बिरंगे पैराग्लाइडरों से सजा कपकोट का आसमान पूरे आयोजन के दौरान उत्सव का अहसास कराता रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए 92 पायलटों ने इस प्रतियोगिता में पंजीकरण कराया, जिनमें से 78 प्रतिभागियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। हजारों स्थानीय दर्शकों और पर्यटकों की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि कपकोट में साहसिक खेलों के प्रति जबरदस्त उत्साह है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे और क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने इसे बागेश्वर के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त होती है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं।

पहले दिन से लेकर समापन तक प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार कपकोट का भौगोलिक परिवेश पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग और अन्य साहसिक खेलों के लिए अत्यंत अनुकूल है। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और सुरक्षा संबंधी सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और अधिक पेशेवर बना।

समापन समारोह में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने स्वयं जालेख से उड़ान भरकर इस रोमांच का अनुभव लिया और कहा कि "कपकोटख्रबागेश्वर अब एडवेंचर टूरिज्म के नए गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुका है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।"

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे मनीष उप्रेती को घ1,00,000, द्वितीय स्थान पर रहे मनीष भंडारी को घ50,000 तथा तृतीय स्थान पर पंकज कुमार को घ30,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। महिला पायलटों को भी विशेष प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

इस आयोजन की सफलता ने स्पष्ट संदेश दिया हैख्रकभी शांत समझा जाने वाला कपकोट अब केवल एक ग्रामीण इलाका नहीं, बल्कि देश का उभरता हुआ साहसिक पर्यटन केंद्र बन चुका है। प्राकृतिक सुंदरता, अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय पहल इसे भविष्य का प्रमुख एडवेंचर डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रही हैं।

मनरेगा को समाप्त करने की अफवाहें निराधर हैः जोशी

संवाददाता

काशीपुर। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि विपक्ष द्वारा मनरेगा को समाप्त किए जाने की अफवाहें निराधार है।

आज यहां प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने काशीपुर में आयोजित विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी बिल-2025 पर आधारित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों एवं स्थानीय लोगों से संवाद कर सरकार की ग्रामीण रोजगार नीति की जानकारी दी। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष द्वारा मनरेगा को समाप्त किए जाने की अफवाहें निराधार है। उन्होंने कहा कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में योजना को और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1989 में जवाहर रोजगार योजना से शुरू होकर समय-समय पर योजना का नाम परिवर्तित किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि अब वीबी-जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 100 के स्थान पर 125 दिन का गारंटीशुदा रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि योजना में सामान्य राज्यों के लिए 60:40 तथा हिमालयी व पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 का केंद्र-राज्य वित्तीय अनुपात निर्धारित किया गया है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में रिटेनिंग वॉल को अनुमन्य कार्यों में शामिल किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने कहा कि कृषि के व्यस्त समय को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार वर्ष में 60 दिन ऐसे निर्धारित कर सकेगी, जब योजना के अंतर्गत कार्य नहीं कराया जाएगा। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत बनी परिसंपत्तियों के रखरखाव, स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचे तथा कृषि एवं आजीविका संवर्धन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का बजट 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 95,692 करोड़ रुपये कर दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस अवसर पर स्थानीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, राज्यमंत्री विनय रोहिला, राज्यमंत्री मंजीत राजू, मेयर दीपक बाली, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रथा, गुरविंदर चंडोक, मंडल अध्यक्ष अर्जुन, बृजेश पाल, जसपाल जस्सी, जिला महामंत्री अमित नारंग सहित कई लोग उपस्थित रहे।

संयुक्त ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति 12 को करेंगे देश व्यापी हड़ताल

संवाददाता

देहरादून। भाजपा की सरकारों को श्रम संहिता, लागू कराने से रोकने के लिए केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आहवान पर 12 को देश व्यापी हडताल की जायेगी।

यहां केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर उत्तराखण्ड संयुक्त ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति द्वारा 12 फरवरी 2026 को देशव्यापी हड़ताल के सन्दर्भ में प्रेस वार्ता में सीटू, इंटक, एटक व आशा स्वास्थ्य कार्यकत्री यूनियन, आंगनवाडी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन, भोजन माताकामगार यूनियन, ऑटो यूनियन, ड्राइवर कन्डक्टर यूनियन, निर्माण श्रमिक संघ, चाय बागान श्रमिक संघ, स्कूल कर्मचारी, संविदा श्रमिक संघ, बैंक कर्मचारी यूनियन, उत्तराखंड पाथ परिवहन निगम कर्मचारी यूनियन, बीमा फेडरेशन सहित कई यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

इस अवसर पर इंटक के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट सीटू के प्रांतीय महामंत्री राजेन्द्र सिंह नेगी एटक के प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्माए सीटू के प्रांतीय सचिव लेखराज, बस्ती बचाओ आन्दोलन के संयोजक अनंत आकाश ने प्रेस को सम्बोधित किया। इस अवसर पर वक्ताओ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा 2020 में जब दुनियां में करोना महामारी से त्राहि-त्राहि मची थी तो ऐसे वक्त में विपक्ष के सांसदों को निलम्बित कर 44 श्रम कानूनों के स्थान पर श्रमिक विरोधी चार श्रम संहिताये बनाई गयी जिनको 21 नवम्बर 2025 को लागू करने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गयी।

इन श्रम सहिताओं के लागू होने से पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों का शोषण बढ़ जयेगा जिससे मजदूरों को गुलामी का जीवन जीने को मजबूर होना पड़ेगा, उसके सारे अधिकार समाप्त हो जायेंगे। इस लिए श्रम संहिताओ को समाप्त कर श्रम कानूनों को और अधिक प्रभावशाली बनाने व अन्य मांगों को लेकर उत्तराखंड में भी देशव्यापी हड़ताल को सफल किया जायेगा और भाजपा की सरकारों को श्रम संहिता, लागू कराने से रोकने का काम करेंगे।

वही बस्तियों को उजाड़ने के खिलाफ व मालिकाना हक देने हेतु एलिवेटेड रोड परियोजन रद्द करने को लेकर बस्तीवासी भी सचिवालय कूच में हिस्सेदारी करेंगे। उत्तराखण्ड संयुक्त ट्रेड यूनियन संघर्ष समिति 12 फरवरी 2026 को देशव्यापी हड़ताल के अवसर पर गांधी पार्क से राज्य सचिवालय पर रैली निकाल कर प्रदर्शन करेंगे इस अवसर पर जिलधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जायेगा। इस अवसर पर इंटक के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, बस्ती बचाओ आन्दोलन के संयोजक अनंत आकाश, किरन यादव, सीटू के जिला उपाध्यक्ष भगवंत सिंह पयाल, रविन्द्र नौढियाल, अभिषेक भंडारी, यूनियन की प्रांतीय सचिव चित्रकला, आशा यूनियन की प्रांतीय अध्यक्ष शिवा दुबे, भोजनामाताओ की महामंत्री मोनिका, उत्तराखंड पथ परिवहन निगम कर्मचारी यूनियन से दयाकिशन पाठक, जिला देहरादून ड्राइवर कन्डक्टर यूनियन से मुकरम एशराफत अली, ऑटो यूनियन से मोहमद साहिल, मनिन्द्र सिंह बिष्ट, स्कूल कर्मचारी यूनियन से एसएसराणा, नरेंद्र सिंह, उत्तराखंड मेडिकल एव सेल्स रिप्रजेंटेटिव एशोसिएशन के जितेन्द्र बिजल्वान आदि उपस्तिथ थे।

विकसित भारत की नींव रखता है केंद्रीय बजट: अजय भट्ट

रुद्रपुर(आरएनएस)। भाजपा जिला कार्यालय रुद्रपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय बजट को देश के कायाकल्प की दिशा में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने वाला दूरगामी विजन है, जिसमें किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग केंद्र में हैं।

भट्ट ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि भारत आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर है। 35 करोड़ टन से अधिक का रिकॉर्ड उत्पादन और चावल के क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक बनना कृषि नीतियों की सफलता का प्रमाण है। दूध और मछली उत्पादन में भी भारत अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले पांच महीनों में ही एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्मार्टफोन निर्यात ने 'आत्मनिर्भर भारत' की मजबूती को दर्शाया है।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के लिए 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे परिवहन सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। मुद्रा योजना के तहत 38 लाख करोड़ रुपये का ऋण छोटे उद्यमियों को दिया गया, जिससे 12 करोड़ से अधिक लोगों को स्वरोजगार मिला। कहा पूर्वोत्तर के विकास के लिए 11,639 करोड़ रुपये का विशेष बजट स्वीकृत किया गया है। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार और चिनाब ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट देश की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग, दर्जाधारी उत्तम दत्ता, पूर्व मेयर रामपाल, नेत्रपाल मौर्या, अनुभव चौधरी, रश्मि रस्तोगी, विजय पाल सिंह तोमर, मोर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, अक्षय गहलोत, योगेश वर्मा, परवेज खान और मुकेश पाल सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामबांस व रिंगाल से खुद अपना भविष्य गढ़ रहीं महिलाएं

कोटद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड बांस एवं रेशा प्रशिक्षण केंद्र पनियाली में चल रहे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला में क्षेत्र की 20 महिलाएं रामबांस व रिंगाल से अपने सुनहरे भविष्य के सपने बुन रही है।

महिलाएं रामबांस और रिंगाल से सजावटी हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करने का हुनर सीख रही हैं। उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद व उद्योग विभाग की ओर से व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना के तहत जारी प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं को 30 से अधिक सजावटी हस्तशिल्प उत्पाद बनाना सिखाया जा रहा है।

प्रशिक्षण ले रही प्रमिला, रीना देवी, सरस्वती देवी, रीता देवी ने बताया कि उन्होंने पिछले 50 दिनों में रामबांस व रिंगाल से कई उत्पाद बनाने सीखे हैं। यह आसान काम है और घर के काम निपटाने के बाद खाली समय में इन उत्पादों को वह आसानी से तैयार कर सकती है। यदि कच्चा माल आसानी से उपलब्ध हो जाए तो वह अपना स्वयं का रोजगार कर अपने परिवार की आर्थिकी को मजबूत कर सकती है।

देवस्थल मंदिर में विराट हिंदू सम्मेलन, हिंदुत्व और सामाजिक समरसता पर मंथन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद के पावन देवस्थल मंदिर परिसर में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवक, युवा और मातृशक्ति शामिल हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद बृहस्पति गिरी महाराज ने हिंदुत्व विषय पर संबोधन करते हुए सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि यह समरसता, सेवा और संस्कार पर आधारित जीवन पद्धति है।

वर्तमान समय में सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा और समाज को एकजुट रखना सभी का दायित्व है। उन्होंने युवाओं से परंपराओं को समझते हुए संतुलित रूप से आगे बढ़ने का आह्वान किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता डॉ. लक्ष्मण सिंह भोज और भावना मल्होत्रा ने अपने विचार रखे। डॉ. भोज ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उद्देश्यों और समाज निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण ही संघ का मूल लक्ष्य है।

भावना मल्होत्रा ने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्यों पर जोर देते हुए कहा कि सशक्त परिवार और सशक्त समाज से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। कार्यक्रम में जिला प्रचार प्रमुख राजेंद्र जोशी, जिला सेवा प्रमुख सुरेश कांडपाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। साईं एकेडमी के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण दिया। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मास्टर प्लान के कार्य संपन्न होने की बाद बदरीनाथ प्राधिकरण संभालेगा जिम्मा- डीएम

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ मास्टर प्लान के कार्य संपन्न होने के बाद इस नगरी के रखरखाव का जिम्मा बदरीनाथ प्राधिकरण संभालेगा। इसको लेकर शासन में मंथन शुरू हो गया है। केदारनाथ की तर्ज पर बदरीनाथ में भी यह व्यवस्था लागू की जाएगी। बदरीनाथ में मौजूदा समय में मास्टर प्लान के कार्य जारी हैं। पिछले चार साल से बदरीनाथ मास्टर प्लान के कार्य चल रहे हैं। बदरीश झील और शेष नेत्र झील के सौंदर्यीकरण होने के बाद लोक निर्माण विभाग पीआईयू ने इनके रखरखाव का काम नगर पंचायत बदरीनाथ को सौंपने की सिफारिश की, मगर नगर पंचायत ने कार्य की अधिकता के कारण झीलों को लेने से इंकार कर दिया। जिसके बाद यह बात सामने आई कि मास्टर प्लान के कार्य संपन्न होने के बाद इसके रखरखाव का जिम्मा कौन संभालेगा। शासन ने बदरीनाथ मास्टर प्लान के काम संपन्न होने के बाद इसकी देखरेख के लिए पृथक से प्राधिकरण की स्थापना करने का निर्णय लिया है। केदारनाथ की तर्ज पर बदरीनाथ प्राधिकरण का गठन होगा, जो बदरीशपुरी के सौंदर्यीकरण की देखरेख करेगा। साथ ही जरुरत के हिसाब से यहां निर्माण कार्य करेगा। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि केदारनाथ की तर्ज पर बदरीनाथ प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। मास्टर प्लान के कार्य संपन्न होने के बाद बदरीनाथ के संरक्षण का जिम्मा प्राधिकरण संभालेगा। शासन स्तर से इस संबंध में काम चल रहा है।

बदरीनाथ मास्टर प्लान के लिए 350 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिनमें से 150 करोड़ खर्च हो गए हैं। बदरीनाथ में शेषनेत्र व बदरीश झील, लूप रोड और अराइवल प्लाजा तैयार हो गया है। अस्पताल भवन, रिवर फ्रंट, दो पुलों का निर्माण, तीर्थ पुरोहित आवास और बदरीनाथ मंदिर के 75 मीटर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण कार्य जारी है।

धार्मिक आयोजनों पर शुल्क लगाने से संत नाराज

ऋषिकेश(आरएनएस)। संत समिति ने नगर निगम ऋषिकेश द्वारा भंडारे और धार्मिक आयोजनों पर लगाए जा रहे शुल्क और मंदिर परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से धार्मिक सेवा कार्यों से शुल्क वापस लेने और सरकार से धार्मिक स्थल का स्वरूप बनाए रखने की मांग की। रविवार को गंगानगर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में संत समिति की बैठक हुई। समिति अध्यक्ष महंत विनय सारस्वत ने मंदिर परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर कड़ा विरोध जताया। कहा कि इस संबंध में पूर्व में एसडीएम एवं नगर आयुक्त को लिखित ज्ञापन दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कहा कि ऋषिकेश से अनेकों आश्रम-धर्मशालाओं को भू-माफिया द्वारा बेचने के साथ ही उनके धार्मिक स्वरूप को बदला जा रहा है। संत समाज ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर समाधान की मांग की जाएगी। कहा कि ऋषिकेश क्षेत्र में संत समिति किसी भी धार्मिक स्थल का स्वरूप नहीं बदलने देगी। यहां जो भी निर्माण होंगे वह सिर्फ धार्मिक संस्थाओं द्वारा बनाए किए जाएंगे। व्यावसायिक भवनों को भी रोका जाएगा और उनके खिलाफ शिकायत कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। समिति महासचिव महंत रामेश्वर गिरी महाराज ने नगर निगम ऋषिकेश द्वारा भंडारे और धार्मिक आयोजनों पर लगाए जा रहे शुल्क पर घोर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि धार्मिक सेवा कार्यों पर शुल्क लगाया जाना अनुचित है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। बैठक में महंत पूर्णानंद, महंत निर्मल दास तपोवन, स्वामी धर्मवीर दादूपंथी, महंत हरिदास, महामंडलेश्वर रविंद्र दास लक्ष्मण झूला, महंत केवल्यानंद सरस्वती, महंत विवेकानंद सरस्वती, महंत कृष्णानंद, महंत सुंदरानंद सरस्वती, स्वामी ध्यान दास, महंत श्रद्धागिरी माता, महंत धर्मदास, महंत कृष्णकांत, महंत संध्यागिरी, महंत महेश मुनि, महंत धर्मानंद गिरी, महंत सरवेंद्र सिंह, स्वामी आनंद महाराज, महंत राजराजेश्वर गिरी आदि उपस्थित रहे।

दन्या पुलिस ने पनुवानौला बाजार में चलाया जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सड़क सुरक्षा माह के तहत दन्या पुलिस ने पनुवानौला बाजार क्षेत्र में जन-जागरूकता अभियान चलाया। रविवार को थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महन्त के नेतृत्व में उपनिरीक्षक कमित जोशी ने बाजार क्षेत्र में टैक्सी चालकों और आम नागरिकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान लोगों को सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता के लिए गुड सेमेरिटन योजना की जानकारी दी गई और अपील की गई कि दुर्घटना पीड़ितों की तत्काल मदद करें। टैक्सी चालकों को वाहनों में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारियां बैठाने के निर्देश भी दिए गए। अभियान के दौरान उत्तराखण्ड पुलिस एप, गौरा शक्ति एप, डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी जानकारी, साइबर अपराध से बचाव और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही डायल 112, महिला हेल्पलाइन 1090, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपदा हेल्पलाइन 1070 के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने नागरिकों से बिना पुलिस सत्यापन किराएदार न रखने की अपील करते हुए कहा कि सतर्कता और सहयोग से ही सड़क सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

नाले के अधूरे निर्माण काम से लोग परेशान, प्रदर्शन किया

हरिद्वार (आरएनएस)। ज्वालापुर विस क्षेत्र के वार्ड-35 कड़च्छ में बड़े नाले का पुनर्निर्माण पिछले पांच महीनों से अधूरा पड़ा है। ग्रामीण निर्माण विभाग की कार्यदायी संस्था और ठेकेदार ने सड़क तोड़कर काम शुरू तो किया, लेकिन बीच में ही छोड़ दिया। नतीजा यह है कि आज पूरा इलाका परेशानी, गुस्से और असुरक्षा के साए में जी रहा है। इससे नाराज स्थानीय लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। उनके अनुसार, टूटी सड़क, खुला नाला और चारों ओर बिखरा मलबा, यही आज कड़च्छ की पहचान बन गई है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। कई लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं, जबकि वाहन घरों तक पहुंचना लगभग बंद हो गया है। लोगों का कहना है कि अंसारी मार्केट से कड़च्छ तक नाले की टेपिंग करीब एक साल पहले पूरी हो गई थी, लेकिन कड़च्छ मोहल्ले में नाले का सुदृढ़ीकरण से लटका हुआ है। जेसीबी से खुदाई के दौरान नाले के किनारे बने कई मकान पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। आंबेडकर मूर्ति के पास सड़क तोड़ने के बाद कार्यदायी संस्था निर्माण करना ही भूल गई। प्रदर्शनकारियों ने चेताया कि जब तक नाले का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान सुखलाल, रमेश कुमार, बलजीत, रविंद्र कुमार, मुकेश कुमार, पूरण सिंह, बबलू, मंजीत सिंह, अजीत, चंद्रभान, मोहित कुमार, यशपाल, मधुकांत, विशाल शामिल रहे। नाले के निर्माण में राजनीति का आरोप आक्रोशित लोगों ने राजनीतिक द्वेष के चलते निर्माण रुकवाने का आरोप लगाया। पार्षद अंजू देवी ने कहा कि राजनीतिक कारणों से जानबूझकर धीमी गति से नाला बनाया जा रहा है। नगर निगम और ग्रामीण निर्माण विभाग में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। लगभग 90 मीटर नाले का निर्माण और टेपिंग बाकी है। डीएम दफ्तर घेरने की चेतावनी वार्ड-33 शास्त्रीनगर के पार्षद सुनील कुमार ने चेताया कि जनता का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि नाले के निर्माण की मांग शीघ्र पूरी नहीं हुई, तो स्थानीय लोगों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। शासन से मांगी गई है अनुमति ग्रामीण निर्माण विभाग (आरईएस) के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि नाले का निर्धारित निर्माण पूरा किया जा चुका है। अब अलग से 90 मीटर अतिरिक्त नाले के निर्माण की मांग सामने आई है। इसका आकलन करते हुए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। अनुमति मिलते ही निर्माण शुरू कराया जाएगा।

लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा रखना है? इस तरह रखें उसका ख्याल

लेदर जैकेट महिलाओं और पुरुषों, दोनों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। ये जैकेट ठंड से तो बचाती ही हैं, साथ ही एक स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हालांकि, इन जैकेट को सही से रखने और देखभाल करने की जरूरत होती है। ऐसा करने से ये लंबे समय तक नई जैसी बनी रहती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार फैशन टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को साफ और नए जैसा रख सकते हैं।

लेदर जैकेट को साफ करने का तरीका

लेदर जैकेट को साफ करने के लिए साबुन का उपयोग न करें, क्योंकि इससे उसका रंग हल्का पड़ सकता है। साथ ही ऐसा करने से लेदर उधड़ने का भी डर रहता है। इसके बजाय गीले कपड़े का उपयोग करें और उससे जैकेट को हल्के हाथों से रगड़ें। अगर दाग लगा हो तो एक मुलायम ब्रश का उपयोग करके उसे हल्के हाथों से साफ कर लें। अगर जरूरत पड़े तो लेदर के लिए खासतौर पर बने सफाई वाले उत्पाद उपयोग करें।

ऐसे सुखाएं लेदर जैकेट

लेदर जैकेट को धूप में सुखाना सही नहीं होता है। ऐसा करने से उसका रंग बदल सकता है या वह सिकुड़ सकती है। बेहतर होगा कि आप अपनी लेदर जैकेट को हवा में सुखा लें। अगर बारिश या नमी की वजह से जैकेट गीली हो गई हो तो उसे कमरे के अंदर किसी हवादार जगह पर लटका दें, ताकि वह धीरे-धीरे सूख जाए। इससे जैकेट का आकार और रंग, दोनों ही सुरक्षित रहेंगे।

स्टोर करने का तरीका जानें

लेदर जैकेट को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे उसमें नमी आ सकती है और फफूंद लगने का खतरा रह सकता है। इससे अच्छा होगा कि आप इसे कपड़े के बैग में रखें, जो हवा को आर-पार कर सके। इसके अलावा जैकेट को हमेशा हेंगर पर लटकाएं, ताकि उसका आकार बना रहे और लेदर उधड़े न। कभी भी इसे ढीला न छोड़ें, क्योंकि इससे सिलाई कमजोर होती है और जैकेट खराब हो सकती है।

नियमित देखभाल करें

लेदर जैकेट की नियमित देखभाल करके आप उसे हमेशा नए जैसा रख सकते हैं। हर महीने इसे नम कपड़े से रगड़ें और अगर कोई दाग लगे हों तो उन्हें तुरंत साफ करें। साल में एक बार लेदर के लिए बने विशेष उत्पाद का उपयोग करके उसे साफ करें, ताकि उसकी चमक बरकरार रहे और वह मुलायम बनी रहे। इसके अलावा जैकेट को समय-समय पर पेशेवर रूप से साफ करवाना भी अच्छा होता है, ताकि वह हमेशा नई जैसी दिखे।

फिटिंग का ध्यान रखें

लेदर जैकेट पहनते समय ध्यान रखें कि वह ज्यादा टाइट न हो, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और आराम भी कम हो सकता है। सही फिटिंग वाली जैकेट चुनें, जो आपके शरीर की आकृति पर अच्छी लगे और आरामदायक हो। इन सरल सुझावों की मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं और ठंड के मौसम में स्टाइलिश दिख सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सिर्फ समझौता नहीं, हमारे भविष्य का रोडमैप है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

पीयूष गोयल

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे लाखों रोजगार पैदा होंगे तथा भारतीय युवाओं और किसानों के लिए व्यापक अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही लगभग 2 अरब की उस आबादी के लिए धन पैदा होगा जो मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भाग है।

विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह एफटीए इतिहास के सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक है। वास्तव में यह व्यापार समझौते से ज्यादा व्यापक है। यह कृत्रिम मेधा (एआई), रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने वाली विस्तृत साझीदारी है। इस एफटीए से भारत के हर क्षेत्र और नागरिक तथा खास तौर से निर्धन तबकों को लाभ पहुंचेगा।

यह एफटीए नियम आधारित व्यापार और आर्थिक नीतियों में स्थिरता सुनिश्चित करता है जिससे भारत स्वदेशी और विदेशी निवेश के लिए और ज्यादा आकर्षक बनेगा। यह छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थाओं और कामगारों के लिए अनेक अवसर पैदा करेगा।

विश्व ने प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा की सराहना करते हुए इस एफटीए को सभी समझौतों से बड़ा बताया है। यह वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में स्थिरता को मजबूत करता है। यह भारत और यूरोपीय संघ को मुक्त बाजार, पूर्वानुमान क्षमता और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध भरोसेमंद साझीदारों के रूप में स्थापित करता है।

भारत ने व्यापार मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ में अपने 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच प्राप्त की है जिससे मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस एफटीए से कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरी सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रमसाध्य क्षेत्रों को निर्णायक मजबूती मिलेगी।

इस समझौते से लगभग 33 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होगा। इससे कामगारों, हस्तशिल्पियों, महिलाओं, युवाओं तथा सूक्ष्म, छोटे और मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) का सशक्तीकरण होगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारतीय व्यवसाय ज्यादा गहराई से जुड़ेंगे और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

यह समझौता व्यवसायियों और पेशेवर तबके के लिए दूसरे देशों में जाने को आसान बनाते हुए शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और कंप्यूटर जैसे सेवा क्षेत्रों में अवसरों के नए द्वार खोलता है। इन प्रतिबद्धताओं से उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसरों के खुलने के साथ ही प्रतिभा, नवोन्मेष और संवहनीय आर्थिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होती है।

व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है। यह रणनीति भारत को अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने और उन लाभकारी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाती है जो कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा करते हुए श्रमसाध्य क्षेत्रों में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते भारतीय उद्योगों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करते हैं और उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। यूपीए सरकार ने बिना सोचे-समझे भारत के बाज़ार खोल दिए थे, इसके उलट मोदी सरकार ने ऐसे समझौते किए हैं जिनमें टैरिफ में कमी धीरे-धीरे की जाती है। जिससे उद्योगों को उचित नीतिगत समर्थन के साथ अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का केंद्र है। पिछले सप्ताह इसी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था- आइए, इस साल हम अपने पूरे सामर्थ्य के साथ गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। हमारा एकमात्र मंत्र गुणवत्ता, गुणवत्ता और केवल गुणवत्ता होना चाहिए। कल की तुलना में आज और बेहतर गुणवत्ता। हम जो कुछ भी बनाते हैं, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के पूरी तरह अनुरूप है। यह भारत को वैश्विक मंच पर एक गतिशील, विश्वसनीय और दूरदर्शी भागीदार के रूप में स्थापित करता है, जो दोनों क्षेत्रों के लिए समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार विकास की नींव रखता है। मोदी सरकार ने सिफ़ 'विकसित देशों के साथ ही व्यापार समझौते किए हैं, जो कपड़ा, जूते, रत्न और आभूषण, और हस्तशिल्प जैसे भारत के प्रमुख रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। यह यूपीए शासन से बिल्कुल उल्टा है उन्होंने प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ समझौतों में जल्दबाजी की और अक्सर भारत को मिलने वाले लाभ की तुलना में कहीं अधिक रियायतें दीं।

शब्द सामर्थ्य -038

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

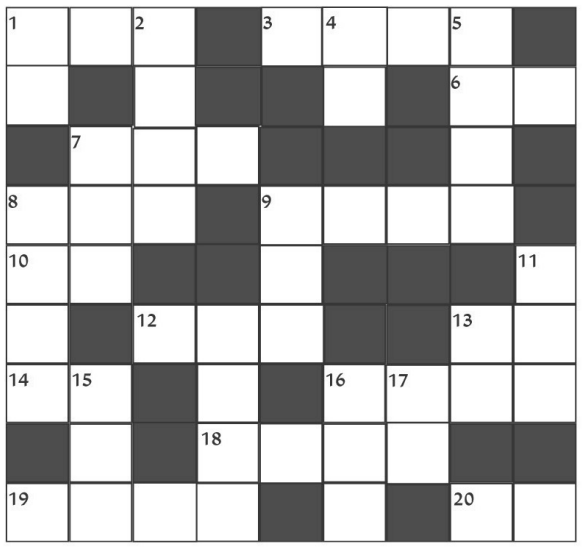

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

अपारशक्ति खुराना की पहली साउथ फिल्म रूट का फर्स्ट लुक आउट!

हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता अपारशक्ति खुराना अब साउथ सिनेमा की तरफ रुख कर रहे हैं। वे जल्द ही अपकमिंग फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम में नजर आएंगे। सूर्यप्रताप एस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपारशक्ति की डेब्यू फिल्म है। इसमें उनके वे तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। सोमवार को अपारशक्ति ने अपना लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस लुक में वे काफी शांत और गंभीर स्वभाव वाले नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, रूट की दुनिया से दूसरी झलक - यहीं से सब शुरू होता है।

साइंस-फिक्शन क्राइम थ्रिलर पर आधारित फिल्म रूट- रनिंग आउट ऑफ टाइम को वेरस प्रोडक्शंस के बैनर तले शेख मुजीब, राजराजन ज्ञानसंबंदम, संजय शंकर और धनिष्टन फर्नांडो ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म की शूटिंग चेन्नई और कई दूसरी जगहों पर बड़े पैमाने पर की गई है। इसमें गौतम राम कार्तिक और अपारशक्ति खुराना के अलावा नारायण, भव्या त्रिखा, वाई.जी. महेंद्र, पावनी रेड्डी, लिंगा और आरजे आनंदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपारशक्ति ने करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें पहचान आमिर खान की फिल्म दंगल से मिली थी। इस फिल्म में उन्होंने बबीता और गीता के भाई का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने स्त्री, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, लुकाछिपी और हेलो जैसी फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता है। अब वे साउथ सिनेमा में कदम रखकर अपनी एक्टिंग को उभार रहे हैं।

अब हिंदी सिनेमा के बाद अब फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम अपारशक्ति के करियर में एक नया अध्याय साबित हो सकती है, जहां वे हिंदी के अलावा, तमिल दर्शकों को भी खुश करने की तैयारी में हैं।

अभिनेता जल्द ही इम्तियाज अली की कॉमेडी ड्रामा फिल्म साइड हीरोज में नजर आएंगे। इस फिल्म में वे अभिषेक बनर्जी और वरुण शर्मा के साथ नजर आएंगे। इस बात की घोषणा खुद इम्तियाज अली ने की थी।

धमाल 4 की रिलीज डेट में बदलाव, 12 जून नहीं अब इस दिन देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी धमाल की चौथी किस्त धमाल 4 को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फैमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फैमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

धमाल 4 में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं।

फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोड्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं।

धमाल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में डबल धमाल और 2019 में टोटल धमाल रिलीज हुईं, जो हिट साबित हुईं। धमाल 4 इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और नए ट्विस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी!

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।

करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी।

बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

शादी के लिए युवती का किया अपहरण, मना करने पर सिर फोड़ा

हल्द्वानी(आरएनएस)। वनभूलपुरा निवासी एक युवक ने क्षेत्र की ही रहने वाली युवती का शादी के लिए अपहरण कर लिया। आरोपी उसे गौला नदी की ओर ले गया। युवती के विरोध करने पर उसके सिर पर पत्थरों से वार कर घायल कर दिया। युवती बमुश्किल जान बचाकर किसी तरह वापस लौटी। युवती की दादी की तहरीर पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर में कहा गया कि जवाहर नगर, वनभूलपुरा का रहने वाला अन्ना नाम का युवक लंबे समय से उनकी पोती को परेशान कर रहा है। पोती जब भी अपने काम से बाहर निकलती है तो युवक उसका पीछा करता है और शादी करने के लिए दबाव डालता है। रास्ते में अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ भी करता है। दादी के अनुसार, बीते शनिवार को उनकी पोती दुकान से कुछ सामान लेने के लिए घर से निकली तो आरोपी ने उसका पीछा किया और जबरन अपने साथ गौला नदी की ओर ले गया। उस पर शादी करने का दबाव बनाकर डराता रहा। जब उनकी पोती ने विरोध किया तो युवक ने सिर पर पत्थरों से वार कर दिया। घायल अवस्था में युवती भागकर घर पहुंची। उसे बेस अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया। एसएचओ वनभूलपुरा डीएस फर्त्याल ने बताया कि मामले में आरोपी अन्ना के खिलाफ छेड़छाड़, अपहरण समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। शीघ्र आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परिवहन विभाग ने किए जनवरी माह में 46 प्रकार के 699 चालान

रुद्रप्रयाग। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग ने जनवरी माह में 46 प्रकार के 699 चालान किए। सबसे अधिक चालान हेलमेट न पहनने और प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वालों के किए गए। वायु प्रदूषण पर 105, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर 89 और टैक्स रसीद प्रस्तुत न करने तथा गति सीमा का उल्लंघन करने पर 72-72 चालान किए गए। इसके अलावा दोपहिया वाहन बिना हेलमेट के चलाने पर 43, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के 37, बिना बीमा वाहन चलाने के 29 और परिवहन वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र न होने पर 27 चालान किए गए। वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट न होना (19), प्राधिकृत आदेशों की अवहेलना (18), बिना वैध परमिट परिवहन वाहन चलाना (15) तथा ध्वनि प्रदूषण नियमों के उल्लंघन (10) पर भी चालान किए गए। संभागीय परिवहन अधिकारी धर्मेंद्र बिष्ट ने बताया कि अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने, गलत लेन में वाहन चलाने, बिना सीट बेल्ट और बिना रजिस्ट्रेशन वाहन चलाने जैसे मामलों पर भी सख्ती बरती गई। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सभी दस्तावेज साथ रखें।

सू- दोकू क्र.038

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.37 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

मई तक नई टिहरी की 18 किमी सड़कें होंगी चकाचक

नई टिहरी(आरएनएस)। नगर पालिका नई टिहरी नगर क्षेत्र के लोगों को जल्द ही चकाचक सड़क और सिटी बस सेवा की सौगात देने जा रही है। आगामी अप्रैल में नगर क्षेत्र की 18 किमी सड़कों पर हॉट मिक्स और डामरीकरण का कार्य किया जाना है जिसके लिए नगर पालिका ने अपने संसाधनों से करीब सात करोड़ रुपये की धनराशि जुटा ली है। विधायक निधि से नगर पालिका को एक बस मिलने जा रही है जिसे पालिका सिटी बस के रूप में नई टिहरी-कोटीकालोनी-चंबा रूट पर संचालित करेगी। नगर पालिका बोर्ड गठन के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई टिहरी नगर क्षेत्र के लोगों को बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने जा रही है। नगर क्षेत्र की सड़कों की हालत लंबे समय से खराब है। मरम्मत के अभाव में जगह-जगह गड्ढे हैं जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि नगर पालिका की ओर से पैचवर्क और मरम्मत कार्य भी कराया गया लेकिन इससे स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। सड़कों की स्थिति जस की तस बनी है।

नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत का कहना है कि बोर्ड के पहले वर्ष में बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि सड़कों के हॉट मिक्स कार्य के लिए नगर पालिका ने अपने स्तर से धन की व्यवस्था कर ली है। कार्य के लिए लोनिवि को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। अप्रैल में कार्य शुरू किया जाएगा और मई में सड़कें पूरी तरह से चाक-चौबंद कर ली जाएगी। नगर क्षेत्र की वर्षों पुरानी ड्रेनेज समस्या के समाधान की दिशा में भी ठोस पहल की है। जल निकासी की व्यवस्था को सुधारने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है जिसे शीघ्र ही शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। योजना के तहत नगर क्षेत्र के करीब 40 अलग-अलग स्थानों पर क्रॉस ड्रेनेज निर्माण का प्रस्ताव है जिससे बारिश के पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके। वर्तमान में नगर क्षेत्र के कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त होने से चोक हो चुकी है। बारिश के दौरान नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर दुकानों और घरों में घुस जाता है।

पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने बताया कि विधायक किशोर उपाध्याय ने विधायक निधि से पालिका को एक बस के लिए धनराशि दी है। नगर क्षेत्र के लोगों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बस का संचालन सिटी बस सेवा के रूप में किया जाएगा। बस नई टिहरी, बौराड़ी, भागीरथीपुरम, कोटीकालोनी, चंबा और बादशाहीथौल के लिए संचालित की जाएगी।

पुरोला पीजी कॉलेज में स्थायी भवन निर्माण की मांग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। बर्फिया लाल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला में छात्र संघ भवन निर्माण की मांग उठी है। कॉलेज के पास अभी तक अपना स्थायी भवन नहीं है। छात्र संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने इस संबंध में यमुना घाटी भ्रमण पर आए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य को पत्र सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग की। छात्रसंघ अध्यक्ष गोविन्द सिंह ने बताया कि छात्र संघ भवन का निर्माण अनिवार्य है ताकि छात्र संघ पदाधिकारी विद्यार्थियों की समस्याएं सुन सकें और छात्र हितों से जुड़े विषयों पर नियमित चर्चा कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में छात्रसंघ के पास कोई स्थायी भवन नहीं है जिससे छात्र समस्याओं के समाधान और संवाद में कठिनाई हो रही है। इसके साथ ही छात्र संघ द्वारा शासन स्तर पर भी पत्राचार किया गया है। भवन के निर्माण से छात्र गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी और छात्रों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सकेगा। इस दौरान छात्रसंघ उपाध्यक्ष सलोनी राठौर, चन्द्रकान्ता रावत, रीतिक चुनार, अभिषेक लौथानी, रीतिन नौटियाल, गौतम पंवार, महादेव कंडियाल, अनिला चौहान, काजल चौहान, यशवंत कंडियाल, कपिल कलूड़ा, आयुष कुमार, समीर आदि मौजूद रहे।

50 शिकायतों की हुई सुनवाई, सात पात्रों को मिला योजनाओं का लाभ

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा ब्लॉक की न्याय पंचायत पठुड़ अकरा में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दर्ज कुल 50 शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को विभागवार सूचीबद्ध कर समय सीमा में निस्तारण के निर्देश दिए गए। वहीं शिविर में सात पात्रों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत जुड्डा रौडियाल की प्रधान मुबीना बेगम ने उनकी ग्रामसभा में पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज कराई। वर्ष 1985 से चरेख पेयजल योजना से गांव को पेयजल की नियमित आपूर्ति हो रही थी। वर्तमान में पाइप लाइन ग्राम गहड़ के नाम से जल जीवन योजना में शामिल करा दी। जल स्रोत का पानी उक्त पाइप लाइन में नहीं दिया गया है। उन्होंने पाइप लाइन को जल स्रोत से जोड़ने व अवशेष बिलों के भुगतान पर रोक लगाने की मांग की। शिविर की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम कोटद्वार संदीप कुमार ने कहा कि शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही हो रहा है।

सनातन की रक्षा के लिए युवाओं को आगे आना होगा

पिथौरागढ़(आरएनएस)। बेरीनाग में सकल हिंदू समाज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से रविवार को रामलीला मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी योगानंद महाराज ने कहा कि भारत वीर भूमि है और सनातन धर्म की रक्षा के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट होने की अपील की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह भूपेंद्र ने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन से भारत विश्व गुरु बन सकता है। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता से ही राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु उपाध्याय और हरीश चुफाल ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक गणेश, जिला संघ चालक गोविंद खाती, विधायक फकीर राम टम्टा, पूर्व विधायक मीना गंगोला, पूर्व विधायक नारायण राम, संगीता चन्याल, हिमांशु बौनाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा और कुंभ के लिए रेलवे पुलिस ने शुरू की तैयारी

कोटद्वार(आरएनएस)। आपराधिक घटनाओं की रोकथाम और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जीआरपी थाना लक्सर, जीआरपी थाना नजीबाबाद (उत्तर प्रदेश), आरपीएफ थाना नजीबाबाद, मुरादाबाद मंडल, कोतवाली कोटद्वार के पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई।

वहीं, रेलवे सुरक्षाकर्मियों ने ट्रेन में आकस्मिक चेकिंग की और यात्रियों को आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूक किया। पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था उत्तराखंड के निर्देश पर कोटद्वार जीआरपी चौकी परिसर में बैठक हुई। जीआरपी लक्सर की थानाध्यक्ष रचना देवरानी की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में आगामी चारधाम यात्रा व कुंभ मेला 2027 के दौरान यात्री सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं पर मंथन हुआ।

ट्रेनों में होने वाली जहरखुरानी, चोरी, छिनौती की घटनाओं, महिला व बच्चों से संबंधित अपराध के तरीकों, कुछ प्रमुख ट्रेनों, वांछितों, शातिरों आदि के संबंध में चर्चा की गई। थानाध्यक्ष रचना देवरानी ने कहा कि सही समय पर सूचनाओं के आदान प्रदान, ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों का एकदूसरे से व्यापक संपर्क किसी भी आपातकाल की स्थिति से निपटने में महत्वपूर्ण होता है। साथ ही यात्रियों की जागरूकता भी जरूरी होती है। गोष्ठी के बाद समूचे पुलिस बल ने कोटद्वार रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, आसपास और प्लेटफार्म पर आकस्मिक चेकिंग की। कोटद्वार से नजीबाबाद के बीच संचालित जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन एवं नजीबाबाद से लक्सर के बीच संचालित अन्य ट्रेनों में यात्रियों को जहरखुरानी व ट्रेनों में यात्रा के दौरान होने वाले अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया। गोष्ठी एवं अभियान में आरपीएफ नजीबाबाद के थाना प्रभारी व कोटद्वार आरपीएफ से पुलिस बल, जीआरपी थाना नजीबाबाद व लक्सर का पुलिस बल एवं कोटद्वार कोतवाली की बाजार चौकी से पुलिसकर्मी शामिल रहे।

ग्राम बनारसी में पुलिस ने पीएसी के साथ निकाला फ्लैग मार्च

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ग्राम बनारसी में दो पक्षों के बीच हुए मामले को लेकर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने पीएसी के साथ मिलकर फ्लैग मार्च निकाला गया है। शांति व्यवस्था के मद्देनजर दोनो पक्षो के 118 व्यक्तियों के खिलाफ धारा-126/135 बी.एन.एस.एस. के अन्तर्गत कार्रवाई की गयी है।

बता दें कि बीती एक फरवरी को ग्राम बनारसी में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। जिसके मद्देनजर वहां तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी। मामले में कोतवाली भगवानपुर क्षेत्र में दो पक्षो के मध्य हुए प्रकरण के दृष्टिगत शांति व्यवस्था/कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आज थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा पी.ए.सी के साथ मिलकर ग्राम बनारसी में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान लोगो से शांति व्यवस्था बनाए रखने व पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी है। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु दोनो पक्षो के 118 व्यक्तियों के खिलाफ धारा-126/135 बी.एन.एस.एस. के अन्तर्गत कार्रवाई की रिपोर्ट उप जिला मजिस्ट्रेट भगवानपुर को प्रेषित की गई है।

पुलिस ने चलाया सीनियर सिटीजन सुरक्षा एवं कुशलक्षेम अभियान

हमारे संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस द्वारा जिले में सीनियर सिटीजन सत्यापन एवं कुशलक्षेम अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य बुजुर्ग नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उनका हाल-चाल जानना तथा उन्हें साइबर अपराधों से जागरूक करना रहा। अभियान के अंतर्गत की गई कार्यवाही के तहत शीशम झाड़ी/शीशम जड़ी क्षेत्र व आसपास वार्डों में घर-घर जाकर सत्यापन किया गया साथ ही कई वरिष्ठ नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका विवरण अद्यतन किया गया। पुलिस को कुछ ऐसे वरिष्ठ नागरिकों की जानकारी भी प्राप्त हुई जिनका पूर्व में निधन हो चुका है, जिनके रिकॉर्ड अपडेट किए जा रहे हैं। इस दौरान पुलिस ने बुजुर्गों को साइबर ठगी से बचाव की जानकारी दी गई। वहीं आपातकालीन सहायता हेतु पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने उनका स्वास्थ्य व कुशलक्षेम जाना तथा अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस टीम द्वारा बुजुर्गों से आत्मीय वार्ता की गई, जिससे वे काफी प्रसन्न दिखे और पुलिस के इस प्रयास की सराहना की। कई वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि पुलिस की यह पहल उन्हें सुरक्षा व अपनत्व का एहसास कराती है।

ज्वैलर्स एसोसिएशन के साथ पुलिस ने आयोजित की गोष्ठी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वैलर्स ऐसोसिएशन के साथ आज पुलिस द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ज्वैलर्स को सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने/सिक्योरिटी अलार्म लगाने, संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने व घरेलू नौकरों व कर्मचारियों का सत्यापन कराने सम्बन्धी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये।

जानकारी के अनुसार आज भगवानपुर पुलिस द्वारा कोतवाली भगवानपुर में ज्वैलर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गयी। जिसमें सभी ज्वैलरी शॉप में सी.सी.टी.वी. कैमरे/ सिक्योरिटी अलार्म सिस्टम लगाने संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने व घरेलू नौकरों/ कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से नियमित पुलिस सत्यापन कराने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

सहस्त्रधारा से पूर्णागिरी के लिए हवाई सेवा शीघ्र करें शुरुः बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि सहस्त्रधारा से पूर्णागिरी के लिए भी हवाई सेवा शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण की उत्तराखण्ड एयर कनेक्टिविटी स्कीम के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने आदि कैलाश, नाभिडांग और जॉलीकाँग को हवाई सेवा से जोड़े जाने के लिए कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहस्त्रधारा से पूर्णागिरी के लिए भी हवाई सेवा शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हवाई सम्पर्क बढ़ाए जाने की सम्भावनाएं तलाशे जाने के लगातार प्रयास किए जाएं।

उन्होंने प्रदेश में पर्यटन सर्किट के विकास के ध्यान में रखते हुए हैलीपैड और हैलीपोर्ट सुविधाओं को बढ़ाए जाने पर जोर दिया। सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि प्रदेश में हेलीपैड और हेलीपोर्ट विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नैनीसैनी एयरपोर्ट को एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को हैंड ओवर किया जाएगा। इस अवसर पर पर सचिव सचिन कुर्वे एवं अपर सचिव आशीष चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महंत देवेन्द्र दास को जन्मदिन पर समिति ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने महंत देवेन्द्र दास को उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं व उनके दीर्घायु होने की कामनाएं प्रकट की। आज यहां महंत देवेन्द्र दास के जन्मदिन पर आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार व नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष वरिष्ठ आदोलनकारी प्रभात डंडरियाल द्वारा उनके जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं व उनके दीर्घायु होने की कामनाएं प्रकट की। उन्होंने कहा कि देवेन्द्र दास के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की गयी है व आगे भी होती रहेगी। उन्होंने कहा कि महंत देवेन्द्र दास गरीबों के उत्थान हेतु अग्रसर रहेंगे तथा उनकी सहायता बिना भेदभाव के करते रहे हैं व करते रहेंगे व देहरादून के सौंदर्य करण के लिए भी प्रयत्नशील रहेंगे।

चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। बीएसएनएल टावर में बैटरियां चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बैटरियां बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 14 अप्रैल को थाना कनालीछीना में सूरज सिंह सौन, निवासी जगदम्बा कॉलोनी, पिथौरागढ़ द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि वे बीएसएनएल टावर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि आणागांव, कनालीछीना स्थित बीएसएनएल मोबाइल टावर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा टावर गेट का ताला तोड़कर उसमें लगी बैटरियां चोरी कर ली गई हैं। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान बीती 8 फरवरी को पुलिस ने एक सूचना के बाद चौती चौराहा, काशीपुर, जनपद ऊधम सिंह नगर के पास से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से घटना से संबंधित 4 लिथियम-आयन मोबाइल टावर बैटरियां बरामद की गईं है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम राहुल चौधरी उर्फ चूरन, पुत्र नैन सिंह, निवासी केशवपुरम, जनपद ऊधम सिंह नगर व गिरीश कुमार उर्फ सचिन ठाकुर, पुत्र मेघ सिंह, निवासी न्यू शांति विहार कॉलोनी, सिथौरा रोड, जनपद बरेली बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी एवं मासिक सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

पिथौरागढ। पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव ने अपराध गोष्ठी व मासिक सम्मेलन आयोजित कर उत्कृष्ठ कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया।

आज यहां पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ श्रीमती रेखा यादव (आईपीएस) की अध्यक्षता में पुलिस लाइन सभागार में अपराध गोष्ठी एवं मासिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें जनपद के समस्त थाना, चौकी एवं शाखा प्रभारियों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन के दौरान माह में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उप निरीक्षक मनोज कुमार, कांस्टेबल सतेन्द्र सुयाल एवं कांस्टेबल विरेन्द्र यादव को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट सेवाओं हेतु निम्न अधिकारी/कर्मचारी भी सम्मानित किए गए। उप निरीक्षक कमलेश जोशी, अपर उप निरीक्षक कुबेर सिंह रावत, अपर उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह, अपर उप निरीक्षक भुवन राम आर्या, हेड कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह रावत, हेड कांस्टेबल संजय सिरौला, हेड कांस्टेबल भरत भण्डारी, हेड कांस्टेबल किशन लोहिया, हेड कांस्टेबल राजपाल सिंह, हेड कांस्टेबल राजोश कुमार, हेड कांस्टेबल शंकर देवड़ी, हेड कांस्टेबल (पुदू) सागर सिंह, हेड कांस्टेबल (पुदू) मनोज तिवाड़ी, कांस्टेबल नीरज भोज, कांस्टेबल नवीन राणा, कांस्टेबल हयात कुमार, कांस्टेबल उमेश सिंह तोमक्याल, कांस्टेबल पंकज पंगरिया, कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल ललित काण्डपाल, कांस्टेबल श्रवण कुमार, कांस्टेबल सकलानन्द, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल सुनील प्रकाश, कांस्टेबल महेश चन्द्र, चालक महेन्द्र सिंह, फायरमैन राजवीर सिंह, महिला कांस्टेबल पूजा पाण्डेय, कांस्टेबल विपिन चन्द्र गहतोड़ी, कांस्टेबल पीएसी राकेश ज्याला, अनुचर मंजू देवी, अनुचर बसन्ती देवी, होमगार्ड शेर बहादुर एवं होमगार्ड सुरेश कुमार। गोष्ठी में निम्न बिंदुओं पर विशेष निर्देश दिए गए जिसमें लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण, नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई एवं जनजागरूकता, यातायात नियम उल्लंघन पर प्रभावी चेकिंग, बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी करने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का किया शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारम्भ करते हुए कहा कि इस योजना से राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा मिलेगी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में जनपद बागेश्वर (42 लाभार्थी) , देहरादून (191), नैनीताल (75), पौड़ी (66), टिहरी (23) एवं उधमसिंहनगर (87) के कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में ₹ 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में भेजी। इसके साथ मुख्यमंत्री ने विभागीय कैलेंडर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला

❑राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को मिलेगी नई दिशा

स्वरोजगार योजना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा रही है। महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं है। महिला के सशक्त होने से परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि दी जा रही है। शेष 7 जनपदों की 540 महिलाओं को भी लगभग 4 करोड़, महीने के अंत तक डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा इस योजना में हमने विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा या किसी भी कारण से अकेले जीवन का भार उठाने वाली महिलाओं के साथ एसिड अटैक, आपराधिक घटना की पीड़िता, ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा इस योजना के शुरू होने से राज्य की नारी शक्ति अब नेतृत्व की भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना, मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर प्रदान किए जा रहें हैं।

जनता दर्शन में बुजुर्ग महिला की गुहार पर डीएम का त्वरित एक्शन

27 माह का पेयजल बिल सेटल, जिला प्रशासन ने किया भुगतान

संवाददाता

देहरादून। जनता दर्शन में बुजुर्ग महिला की गुहार पर डीएम ने त्वरित एक्शन लेते हुए 27 माह का पेयजल बिल सेटल कर जिला प्रशासन ने ही भुगतान किया।

आज यहां प्रत्येक सोमवार कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतों के निस्तारण हेतु उपस्थित हो रहे हैं तथा फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण होने से सरकार तथा जिला प्रशासन की कार्यशैली पर जनमानस का भरोसा बढा है।

विगत जनता दर्शन कार्यक्रम में सहस्त्रधारा निवासी बुजुर्ग महिला हरदीप कौर ने अपनी व्यथा सुनाते हुए जिलाधिकारी को बताया कि उनका पेयजल बिल 35 हजार रूपये आ गया है, जिसे वह भरने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि वह घर में अकेली रहती हैं, आय का कोई स्थायी साधन नहीं है तथा अक्सर बीमार रहती हैं। बुजुर्ग हरदीप कौर ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने जल कनेक्शन काटने हेतु अनुरोध किया था। इस दौरान कुछ लोग उनके घर आए और 5 हजार रूपये लेकर चले गए, किंतु कनेक्शन नहीं काटा गया। बाद में जब वह संबंधित कार्यालय पहुंचीं तो जानकारी मिली कि ऐसे किसी कर्मचारी की तैनाती वहां नहीं है। इस प्रकार वह ठगी का भी शिकार हुई। बुजुर्ग महिला की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जल संस्थान से रिपोर्ट तलब करते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जल संस्थान द्वारा बुजुर्ग का 27 माह के लंबित 35 हजार रूपये के पेयजल बिल को संशोधित कर 14,372 में सेटल किया गया। जिलाधिकारी ने बुजुर्ग बीमार महिला की खराब आर्थिक स्थिति देखते हुए राइफल फंड से 14,372 की धनराशि का भुगतान करने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा यह राशि चेक के माध्यम से जल संस्थान को उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे बुजुर्ग महिला को आर्थिक राहत मिल सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा ऐसे मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरती जाए। जिला प्रशासन जरूरतमंद एवं असहाय नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिबद्ध है और जनता दर्शन कार्यक्रम आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का सशक्त माध्यम बना हुआ है।

दो मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटे गये दो मोबाइल बरामद हुए है।

जानकारी के अनुसार बीती 8 फरवरी को अरविंद कुमार पुत्र स्वर्गीय बलजीत सिंह ग्राम मटका द्वारा कोतवाली रुड़की में तहरीर देकर बताया गया था कि दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसका मोबाइल फोन लूट लिया गया है। जो घटना के बाद से फरार हो चुके है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह घटना में शामिल दो आरोपियों साहिल पुत्र इनाम व सुहेल पुत्र स्वर्ग तालिब को नगर निगम चौराहे से आगे रुड़की से गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से लूटे गये दो मोबाइल बरामद किये गये है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

गोकशी के दस आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गोकशी के दस आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली भगवानपुर में ग्राम शेरपुर व खेलपुर में गोवंश के सिर व अवशेषों की सूचना प्राप्त होने पर थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए, उपरोक्त दोनो प्रकरणों में गोकशी व तस्करी में सम्मिलित कुल 10 आरोपियों रिजवान पुत्र मुकरम, मुसैद पुत्र जानी, जानी पुत्र जाहिद, नवाशिष पुत्र जानी, अयान पुत्र कमरेज, मुफीद पुत्र मुन्तयाज फरीद पुत्र मुन्तयाज, शहीद पुत्र जमील, सावर व सिम्मु के खिलाफ गोवंश संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 12 प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिला खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा महाशिवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य सामग्री में किसी तरह का कोई मिलावट न हो इसके लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की जांच की जा रही है।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी हरिद्वार महिमानंद जोशी ने बताया कि देर रात्रि को उपायुक्त गढ़वाल आर एस रावत के नेतृत्व में तथा उनके द्वारा एवं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन व पवन कुमार की टीम के साथ इब्राहिमपुर स्थित पनीर एवं दही निर्माण इकाई पुंडीर फैक्ट्री में छापा मारा गया। छापे के दौरान पाया गया कि उक्त फैक्ट्री में बिना फूड लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित होना पाया गया तथा मौके पर अनिवार्य दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर उक्त पनीर निर्माण इकाई को अग्रिम आदेशों तक बंद करा दिया गया, तथा मौके पर पनीर एवं दही के दो नमूने लेकर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला रुद्रपुर जांच हेतु भेजा गया है इस कार्रवाई के दौरान पथरी थाना का पुलिस दल भी मौजूद रहा। उन्होंने अवगत कराया है कि महाशिवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए कांवड़ पटरी मार्ग चंडी पुल से चिड़ियापुर तक पटरी मार्ग पर स्थित अस्थाई खाद्य स्टॉल एवं भंडारों का निरीक्षण किया गया इस दौरान टीम

द्वारा कूड़े का उचित निस्तारण करने, रेट लिस्ट चस्पा करने, खाद्य रजिस्ट्रेशन बनवाने की विशेष निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी बताया कि दिलीप जैन के नेतृत्व में इंडस्ट्रियल एरिया स्थित कोल्ड ड्रिंक के दो गोदाम का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान माजा एवं फेंटा कोल्ड ड्रिंक के दो नमूने जांच हेतु लिए गए तथा निरीक्षण में पायी गयीं अनिमियताओं के संबंध में दोनों स्टोरेज मालिकों को नोटिस जारी किया गया। उन्होंने अवगत कराया है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में पंत द्वीप पार्किंग में अस्थाई एवं स्थाई खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया इस दौरान कुल 12 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया जिसमें तीन खाद्य प्रतिष्ठानों के फूड लाइसेंस न होने के कारण नोटिस जारी किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।